मेघ पाईन अभियान के बादल अब फैलने लगे।

ग्राम– द0 मुसहरी, पंचायत : बांध चातर, प्रखण्ड– अलौली, जिला– खगड़िया गाँव का संक्षिप्त परिचय : बागमती नदी से विस्थापित होकर बसा द0 मुसहरी बांध चातर पंचायत के दक्षिण दिशा में बसा। इसलिए इसका नाम दक्षिणी मुसहरी पड़ा। सदा जाति के 300 घरों का यह गांव पूर्ण रूपेण दलित समुदाय का गाँव है।

रोजगार के आभाव में 80 प्रतिशत पुरूष देश के दूसरे बड़े राज्यों में पलायन करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के आगमन के पहले ही इस गांव के लोग भयभीत हो जाते थे क्योंकि बाढ़ में तटबंध पर नरकीय जीवन बिताना तथा हैजा और कोलरा से गांव में दस–दस प्रतिवर्ष मृत्यु होना। जिला मुख्यालय से इसकी दूरी 8 कि0 मी0 प्रखण्ड मुख्यालय से 10 कि0 मी0 की दूरी पर है। कुल जनसंख्या– 2000 है।

अभियान का प्रयास

फरवरी 2006 में मेघ पाईन अभियान दक्षिणी मुसहरी में प्रवेश किया। घर–घर जाकर परिचय बढ़ाया और उनके समस्या पर ग्रामीणों के साथ बैठक हुई। चर्चा के दोरान मुख्य समस्या बाढ़ और शुद्ध पेय जल निकल कर आया। बाढ़ में भी लोग नदी का गन्दा पानी पीने पर मजबूर होते थे और अन्य समय में चापाकल का पानी पीते थे। पानी जांच के दौरान सत प्रतिशत चापाकल में कॉलीफॉर्म और आयरन पाया गया। कार्यकर्त्ताओं के द्वारा जब वर्षा जल संग्रहण की बात चली तो इनलोगों को कार्यकर्त्ताओं के उपर पूरा शक (संदेह) पैदा हो गया। या तो ये लोग धंधा कराने के फेरे में हैं या इस बहाने हमलोगों को ठगेंगे ? बड़ी मुश्किल सी बात सामने आया। लोग बात करने में भी घबराने लगे। माओवादी के इस क्षेत्र कार्यकर्त्ता भी घबराने लगे। तब एक योजना के तहत बगल गांच चातर के एक जमींदार परिवार अर्जून बाबू उनके यहाँ बैठकर वर्षा जल, शुद्ध जल का विश्लेषण कार्यकर्त्ताओं ने किया। धीरे–धीरे वे हमारी बातों से सहमत हुए। इतना ही नहीं पीने के साथ–साथ ट्रेक्टर के रेडी वाटर में वर्षा के पानी को डाला। परिणाम काफी दिनों तक ट्रेक्टर गर्म नहीं हुआ। सदा परिवार के लोग इनके खेतों में काम करते थे। उन्हें लगा कि मालिक और मेघ पाईन अभियान वाले लोग तो रोज हमारे सामने पानी पीते हें। शायद घेघा नहीं होगा, ये लोग ठग नहीं है। कुछ लेने की भी तो बात नहीं करते हैं। धीरे–धीरे विश्वास बढ़ने लगा।

ग्राम विकास समिति का गठन :

दिनांक 22.04.2007 रोज रविवार को ग्राम पंचायत राज बांध चातर, गांव द0 मुसहरी भगवती स्थान में माननीय सरपंच श्री विपिन कुमार सिंह की अध्यक्षता में ग्राम विकास के मुद्दे पर एक बैठक आयोजित की गयी। ओर आम सभा के द्वारा ग्राम विकास समिति का गठन किया गया। 14 व्यक्तियों का समिति जिसमेंक–

सचिव– श्रीमती रेखा देवी

अध्यक्ष– श्रीमती अड़हुलिया देवी

कोषाध्यक्ष– पिंकु कुमार

सदस्य– श्री हरेकृष्ण सदा, श्री भिखारी सदा, श्री वशिष्ठ सदा, छठु सदा, पप्पु सद, उषा देवी, कालेश्वर सदा, वार्ड सदस्य फूलो देवी, घोलट सदा, विन्देश्वरी सदा

<u>काफी सशक्त ग्राम विकास समिति का गठन हुआ</u>

- गाँव के सारी गन्दगियों का साफ किया।
- गाँव में सड़े पानी का बाहरी स्थान में बहाव का रास्ता निकाला
- वर्षा जल संग्रहण के सेक्टर बनाए गए।
- मटका फिल्टर लगाए गए

दुर्भाग्यवश 2007 के अगस्त में प्रलयंकारी बाढ़ सारे सेड तितर वितर हो गए। अफरा–तफरी में नाव पर मटका फिल्टर भी फूट गए। सारे लोग बदला कराची तटबंध पर बसे। पीने के लिए नदी के अलावा कोई साधन भी तो नहीं था। सरकार की ओर से भी कोई व्यवस्था नहीं हो पायी। तब समता के द्वारा सिलपोलिन की व्यवस्था की गयी। वहाँ पर ग्राम विकास समिति ने अपनी अहम भूमिका निभाई। प्रत्येक व्यक्ति के सेड पर सिलपोलिन देकर वर्षा जल संग्रहण का पीने का काम किया। परिणाम इतनी गंदगी के बावजूद भी एक भी बच्चे को हैजा, डायरिया नहीं हुआ। लोगों में वर्षा जल के प्रति असीम विश्वास बढ़ा कि निश्चित तौर पर वर्षा का पानी शुद्ध पानी है। वहीं पर बढ़े घर के लोग जो वर्षा का पानी अपने मर्यादा के खिलाफ समझते थे उनके घरों से दो चार डायरिया पेसेंट रोज नाव से खगड़िया अस्पताल जाते देखा गया।